

वा कि अधिनियम रेड क्रॉस सोसाइटी एम्प्लॉयिड यूनिन, जो 'मजदूर संघ अधिनियम' के अंतर्गत पंजीकृत है, को मान्यता देने का प्रश्न रेड क्रॉस मुख्यालय की प्रवक्ता सचिवि को विचारार्थ ही, यह बताने की कृपा करें कि इस यूनिन को, जो 'मजदूर संघ विवाद अधिनियम' के अंतर्गत एक पंजीकृत यूनिन है, मान्यता देने में विफलता के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री रवि राव) : भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने यह सूचित किया है कि इस सोसाइटी की प्रवक्ता समिति ने अन्य कारणों के साथ-साथ यह संकल्प पारित किया कि यदि यह पाया जाए कि तुलीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की कोई सोसाइटी अथवा यूनिन कर्मचारियों के बहुमत का प्रतिनिधित्व करती हो तो उस स्थिति में महा-सचिव उस श्रेणी के कर्मचारियों को प्रतिनिधि के रूप में ऐसी यूनिन को मान्यता दे सकते हैं। इस सम्बन्ध में अनुवर्ती कार्यवाही की जा रही है। इस समस्या के सभी पहलुओं का अत्यन्त सावधानीपूर्वक अध्ययन और मूल्यांकन किया जा रहा है। सोसाइटी की विशेष सूचिका, कार्य और नैतिक दायित्वों के कारण ऐसा करने में समय लग रहा है। तथापि, एक प्रतिनिधि यूनिन के रूप में इस यूनिन को मान्यता दिये जाने तक यूनिन द्वारा दिए गए सभी अस्पष्ट-बेवकों पर विधिवत विचार, किया जा रहा है और इनमें से किसी भी अस्पष्ट-बेवक को इस आधार पर अस्वीकार नहीं किया गया कि इस यूनिन को एक प्रतिनिधि यूनिन के रूप में मान्यता नहीं दी गई है।

Legislation on Minimum Wages for Agricultural Labourers

1441. SHRI HITENDRA DESAI:
Will the Minister of PARLIAMEN-
TARY AFFAIRS AND LABOUR
be pleased to state:

(a) is government considering to bring central legislation on minimum wages for agricultural labourers; and

(b) if so, when will the said bill be introduced in Parliament?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-
TARY AFFAIRS AND LABOUR
(SHRI RAVINDRA VARMA): (a)
There is a central law on minimum wages, namely Minimum Wages Act, 1948, which is applicable to agricultural labourers, also.

(b) Does not arise, in view of the answer (a) above.

नेटरल रोड प्रोजेक्ट के अग्रणी राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण

1442. श्री विनायक प्रसाद शर्मा : क्या मौज्जह और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश से आयात तक (अमीनगांव तक) बरास्ता दरभंगा तथा फोरविस्-गंज, एक राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण पर कार्य, नेटरल रोड प्रोजेक्ट के अग्रणी वर्ष 1962 के लगभग शुरू किया गया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग दरभंगा सैकंड हवाई ब्रिड्ज तक बताया गया था और उसका और आगे निर्माण बन्द कर दिया गया था ; और

(ग) यदि हाँ, तो क्या इसे दरभंगा से फोरविस्गंज तक बढ़ाने का कोई प्रस्ताव है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं।

मौज्जह और परिवहन मंत्रालय में प्रचारी राज्य मंत्री (श्री चंड राव) : (क) से (ग) संभवतया सत्य महोदय का प्राथमिक केन्द्रीय सहायता से सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा विकसित की गई उस नेटरल रोड से है जो उत्तर प्रदेश में बरेली से पीलोमीत-सबी-मपुर-नानपादा-बोमरियागंज-बस्ती-कसिया-पिपलकोठी-मजफरपुर-बरोनी-मुनिया-अररिया-ठाकुरगंज-बाबसा-हाबिबारा - भालका - संकोष- काशीगंज-सिबली से होते हुए अलग में अमीनगांव तक जाती है और उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम से गुजरती है। यह सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग नहीं है। परन्तु, इसका कुछ अलग राज्य सड़क का है और कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग का। दरभंगा और फोरविस्गंज पार्ष्वन्ती सड़क के उपरोक्त मार्ग पर नहीं पड़ते। दरभंगा और फोरविस्गंज के बीच की सड़क विकसित होने पर राज्य सड़क होगी और इसके निर्माण कार्य का सम्बन्ध बिहार सरकार से होगा।

Reservation of Berths in Frontier Mail and Delux Trains

1443. DR. BALDEV PARKASH:
Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the total number of berths in Frontier Mail and Delux trains from Amritsar to Bombay and the quota of berths in each train to be reserved from Amritsar to Bombay respectively;

(b) the number of chair car seats in Hind class air conditioned coach from